राष्ट्रीय महिला किसान दिवस 2026 के आयोजन की रिपोर्ट

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

दिनांक: 15 अक्टूबर, 2026

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (के.मा.शि.सं.), मुंबई तथा इसके कोलकाता, रोहतक, काकीनाडा और पवारखेड़ा केंद्रों द्वारा निदेशक डॉ. एन. पी. साहू के नेतृत्व में 15 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य मात्स्यिकी क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देना था। कार्यक्रमों के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने, ग्रामीण आजीविका को बनाए रखने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने तथा मात्स्यिकी के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

मुंबई मुख्यालय में यह कार्यक्रम वर्सोवा मछुआरा गाँव स्थित वेसावा कोली सहकारी सर्वोदय सोसायटी में आयोजित किया गया। इस संस्था के नेतृत्व एवं प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी है। कार्यक्रम में पारंपरिक कोली मछुआरा समुदाय की कुल 102 महिलाओं, दो मछुआरों तथा भा.कृ.अनु.प.- कें.मा.शि.सं., मुंबई के मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग के वैज्ञानिक, विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय संस्थान के मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के नेतृत्व और उद्यमशीलता को पहचानने तथा संस्थान द्वारा विकसित महिलाओं के लिए उपयोगी तकनीकों का प्रदर्शन करने हेतु एक मंच प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भा.कृ.अनु.प.- कें.मा.शि.सं., मुंबई के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने मात्स्यिकी क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना की तथा उनके कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए संस्थान की ओर से निरंतर सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग की प्रमुख एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पिता शर्मा ने शक्ति के स्वरूप में देवी दुर्गा की आराधना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्सोवा के कोली समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाली हिंगला देवी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शक्ति की आराधना की जाती है, उसी प्रकार मात्स्यिकी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों में महिलाओं की शक्ति, साहस, दृढ़ संकल्प और योगदान को भी पहचानना तथा सम्मान देना आवश्यक है।

प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां

1. मेरी कहानी, मेरी खेती: मात्स्यिकी में महिलाओं की सफलता की कहानियां

कार्यक्रम में मात्स्यिकी सहकारी संस्थाओं की महिला पदाधिकारियों, सदस्यों तथा महिला मछली विक्रेताओं के योगदान को सम्मानित किया गया। वेसावा कोली सहकारी सर्वोदय सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती. शारदा पाटिल, महिला मंडल की सचिव श्रीमती. कविता भिकरू तथा मरोल सूखी मछली बाजार की अध्यक्ष श्रीमती. राजश्री भांजी के अनुभवों और पहलों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। इनके माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व तथा सामुदायिक मात्स्यिकी संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया गया। भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई द्वारा इन महिला नेतृत्वकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

इस सत्र में महिलाओं के अनुभवों, उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों तथा मात्स्यिकी से संबंधित गतिविधियों में उनके उद्यमशील प्रयासों पर भी चर्चा की गई।

2. महिला केंद्रित तकनीकें एवं उद्यमिता

कार्यक्रम के दौरान अनुसंधान परियोजना *स्वच्छता कार्य योजना तथा मछली बाजारों से प्राप्त मछली अपशिष्ट का व्यावसायिक उपयोग* के अंतर्गत विकसित एर्गोनॉमिक सी.आई.एफ.ई.- कूल कार्ट का प्रदर्शन किया गया। इस गाड़ी को मछलियों के बेहतर रखरखाव, सुरक्षित संचालन और परिवहन को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

महिला मछली विक्रेताओं से इस तकनीक की उपयोगिता, संचालन में सहजता तथा व्यावहारिक प्रासंगिकता के संबंध में सुझाव प्राप्त किए गए। उनके सुझावों से इस तकनीक में आवश्यक सुधार करने तथा इसे महिलाओं की जरूरतों के अधिक अनुकूल बनाने में सहायता मिलेगी।

3. मात्स्यिकी में महिलाओं के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी समाधान

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के विभिन्न प्रभागों द्वारा विकसित मछली उत्पादों, मूल्य संवर्धन की संभावनाओं तथा मछली अपशिष्ट से तैयार उत्पादों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न की गई। इस पहल के माध्यम से सरल, स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल और आर्थिक रूप से व्यवहार्य तकनीकों की उपयोगिता को रेखांकित किया गया। इन तकनीकों से मात्स्यिकी संबंधी गतिविधियों में संलग्न महिलाओं की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान तथा उनकी आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया।

4. महिलाओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद एवं सम्मान

मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अंकुश कांबले ने मराठी भाषा में महिलाओं के साथ संवाद सत्र आयोजित किया। इस दौरान उनके अनुभवों, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास किया गया। महिलाओं के नेतृत्व को

प्रोत्साहित करने, उनकी सामूहिक आवाज को सशक्त बनाने तथा मात्स्यिकी विकास की गतिविधियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू तथा मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग की प्रमुख एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पिता शर्मा ने महिला प्रतिभागियों को बास्केट वितरित कीं। इन बास्केट की खरीद भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना *स्वच्छता कार्य योजना तथा मछली बाजारों से प्राप्त मछली अपशिष्ट का व्यावसायिक उपयोग* के अंतर्गत की गई थी।

भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं मछुआरे श्री. सदाशिव गोपाल राजे ने मछुआरा समुदाय को भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग और सहायता पर प्रकाश डाला। महिला प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के आयोजन तथा समुदाय को सहयोग प्रदान करने के लिए संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री.अक्षता टी. ने मराठी भाषा में किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. नेहा कुरैशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, प्रसार एवं सांख्यिकी प्रभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस आयोजन ने मात्स्यिकी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व, उद्यमिता और योगदान को मान्यता देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। महिला मछुआरों एवं विक्रेताओं के साथ संवाद, एर्गोनॉमिक सी.आई.एफ.ई.- कूल कार्ट का प्रदर्शन, मूल्य संवर्धित मछली उत्पादों की जानकारी तथा मछली अपशिष्ट से तैयार उत्पादों के प्रचार के माध्यम से संस्थान की महिलाओं की आजीविका सुदृढ़ करने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और उपयोगी तकनीकों के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया गया।

भा.कृ.अनु.प. के.मा.शि.सं., कोलकाता केंद्र

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के कोलकाता केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर ब्लॉक स्थित रायपुर गांव में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में 60 महिला किसानों ने भाग लिया।

केंद्र के प्रमुख डॉ. टी. के. घोषाल ने डॉ. जी. एच. पैलान, डॉ. सुजाता साहू और डॉ. श्वेता प्रधान के साथ प्रतिभागियों से संवाद किया। इस दौरान मात्स्यिकी, जलीय कृषि तथा परिवार की आर्थिक उन्नति में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डाला गया।

घरेलू तालाबों का उत्पादक उपयोग करते हुए भारतीय प्रमुख कार्प तथा लघु कार्प मछलियों के पालन के माध्यम से परिवार की अतिरिक्त आय बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में एकीकृत कृषि प्रणाली, सजावटी मछलियों का प्रजनन एवं पालन, मीठे पानी में मोती की खेती तथा पोषण वाटिका जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई।

तकनीकी चर्चाओं और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके विविध कृषि एवं जलीय कृषि गतिविधियां अपनाने के अवसरों से परिचित कराया गया।

भा.कृ.अनु.प. के.मा.शि.सं., रोहतक केंद्र

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के रोहतक केंद्र में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 12 महिला किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सलोनी शिवम के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके पश्चात केंद्र के प्रभारी डॉ. एम. ए. पठान तथा लाहली ग्राम पंचायत के सरपंच ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान महिला किसानों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं और चुनौतियों पर चर्चा की गई तथा उनके विचारों एवं चिंताओं को सुना गया। प्रतिभागियों को कृषि एवं इससे संबंधित गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी और सतत ग्रामीण विकास में उनके योगदान के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

इस कार्यक्रम ने केंद्र और महिला किसानों के बीच संवाद स्थापित करने तथा जमीनी स्तर पर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. श्रीधरन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

भा.कृ.अनु.प. के.मा.शि.सं., काकीनाडा केंद्र

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के काकीनाडा केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के चोल्लांगी पेटा गांव में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र की प्रभारी डॉ. कार्तिरेड्डी श्यामला तथा काकीनाडा केंद्र की टीम के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में 20 महिला किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में कृषि एवं इससे संबंधित गतिविधियों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। साथ ही महिला किसानों के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा संस्थागत सहायता के बारे में जानकारी दी गई।

चर्चा के दौरान इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने, उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने तथा अतिरिक्त आय और आजीविका में सुधार के अवसर तलाशने पर जोर दिया गया। संवाद सत्र में प्रतिभागियों को अपनी कृषि संबंधी आवश्यकताओं और सरकारी सहायता से संचालित पहलों के संभावित लाभों पर चर्चा करने का अवसर मिला।

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., पवारखेड़ा केंद्र

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के पवारखेड़ा केंद्र द्वारा मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक स्थित रेतिबंदर गांव में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस के अंतर्गत खेत आधारित जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कुल 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आठ महिला किसान तथा एक गैर सरकारी संगठन प्रदान की ओर से प्रतिनिधि शामिल थे।

कार्यक्रम में टमाटर, मूली, बैंगन और पालक की बुवाई के व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से सब्जी उत्पादन को प्रोत्साहित किया गया। प्रतिभागियों को बुवाई की बुनियादी विधियों तथा उपलब्ध भूमि के उत्पादक उपयोग के संबंध में खेत स्तर पर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में घरेलू पोषण सुरक्षा को बेहतर बनाने और अतिरिक्त आय के अवसर सृजित करने में पोषण वाटिका तथा सब्जी उत्पादन के महत्व पर जोर दिया गया।

समग्र उपलब्धियां

भा.कृ.अनु.प. के.मा.शि.सं. के मुंबई मुख्यालय तथा चारों केंद्रों में आयोजित कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 190 महिला किसानों ने जागरूकता, संवाद और प्रदर्शन संबंधी गतिविधियों में भाग लिया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से मात्स्यिकी, जलीय कृषि, फसल उत्पादन तथा संबंधित सरकारी सहायता योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए परिवारों की आजीविका में सुधार की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। इन पहलों ने महिलाओं की क्षमता निर्माण, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा ग्रामीण समुदायों के सतत विकास में महिलाओं की भागीदारी को सुदृढ़ करने की दिशा में संस्थान के प्रयासों को प्रदर्शित किया।

REPORT ON CELEBRATION OF

NATIONAL WOMEN FARMERS' DAY – 2026

ICAR–Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE)

Date: 15 October, 2026

National Women Farmers' Day was celebrated on 15 October 2026 by ICAR Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai, and its centres at Kolkata, Rohtak, Kakinada and Powarkheda under the leadership of Dr. N. P. Sahu, Director,

ICAR CIFE, Mumbai, to recognize the significant contributions of women to the fisheries sector.

The celebrations highlighted the vital role of women in ensuring food and nutritional security, sustaining rural livelihoods, promoting entrepreneurship and contributing to fisheries development.

At the Mumbai headquarters, the celebration was organized at Vesava Koli Sahkari Sarvodaya Society in Versova fishing village, Mumbai, where women play a significant role in leadership and management. A total of 102 women from the traditional Koli fishing community, along with two fishermen, all staff members, students and research scholars of Fisheries Economics, Extension and Statistics (FEES) Division, ICAR-CIFE, Mumbai, participated in the programme. The programme was coordinated by FEES Division, ICAR-CIFE, Mumbai. It provided a platform to recognize women's leadership, showcase their entrepreneurial initiatives and demonstrate women friendly technologies developed by ICAR-CIFE, Mumbai.

The programme began with a welcome address by Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR CIFE, Mumbai. He appreciated the contributions of women to fisheries and assured them of the institute's continued support through capacity development programmes.

Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist, Fisheries Economics, Extension and Statistics Division, highlighted the significance of worshipping Goddess Durga as the embodiment of Shakti and Hingla Devi, who holds a special place in the cultural traditions of the Koli community of Versova. She emphasized that just as Shakti is worshipped, the strength, courage and determination of women in fisheries and in local communities must also be recognized and respected.

Major Activities and Highlights

1. My Story, My Farming: Success Stories of Women in Fisheries

The programme recognized the contributions of women leaders and members of fisheries cooperative societies, as well as women fish vendors. The experiences and initiatives of prominent women leaders, including Smt. Sharda Patil, Chairperson of Vesava Koli

Sahkari Sarvodaya Society; Smt. Kavita Bhikru, Secretary of Mahila Mandal; and Smt. Rajshri Bhanji, Chairperson of Marol Dry Fish Market, were highlighted to showcase women's leadership and their role in strengthening community based fisheries institutions. They were felicitated by ICAR-CIFE, Mumbai.

The session also provided an opportunity to share women's experiences, discuss the challenges they face and highlight their entrepreneurial efforts in fisheries related activities.

2. Women Centric Technologies and Entrepreneurship

The ergonomic CIFE-Cool Cart, developed under the research project *Swachhata Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Fish Markets*, was demonstrated during the programme. The cart has been designed to facilitate better handling and transportation of fish. Feedback was collected from women fish vendors regarding the utility, usability and practical relevance of the technology. Their valuable suggestions will help guide further improvements to make the cart more suitable for their needs.

3. Scientific and Technological Solutions for Women in Fisheries

Awareness was created about various fish products, value addition opportunities and products developed from fish waste by different divisions of ICAR-CIFE. The initiative highlighted the potential of simple, locally relevant and economically viable technologies to address practical challenges faced by women engaged in fisheries related activities and to strengthen their livelihood opportunities.

4. Direct Engagement and Recognition of Women

An interactive session was conducted by Dr. Ankush Kamble, Principal Scientist, FEES Division, ICAR-CIFE, Mumbai in Marathi to understand their experiences. Emphasis was placed on encouraging women's leadership, strengthening their collective voices and promoting greater participation in fisheries development initiatives.

As part of the programme, Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai, and Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist FEES Division distributed carry baskets to women participants. The baskets were procured under the research project *Swachhata Action Plan and Commercial Utilisation of Fish Waste from Fish Markets*, funded by ICAR, New Delhi.

Shri. Sadashiv Gopal Raje, a fisherman and retired Senior Scientist from ICAR-Central Marine Fisheries Research Institute, highlighted the support and cooperation extended by ICAR-CIFE to the fishing community. The women participants expressed their appreciation and gratitude to ICAR-CIFE, Mumbai, for organizing the programme and extending support to the community.

The programme concluded with a vote of thanks by coordinator Dr. Neha W. Qureshi, Senior Scientist, FEES Division. Ms. Akshata T anchored the programme in Marathi.

This successful celebration provided a meaningful opportunity to recognize the leadership, entrepreneurship and contributions of women in fisheries.

Through interactions with women fishers and vendors, demonstrations of the Ergonomic CIFE-Cool Cart, awareness of value added fish products and the promotion of products derived from fish waste, the programme highlighted ICAR CIFE's commitment to developing practical technologies, supporting women's entrepreneurship and strengthening the livelihoods of women in the fisheries sector.






मेरा गाँव मेरा गौरव
My Village My Pride
ICAR-Central Institute of Fisheries Education


राष्ट्रीय महिला शेतकरी दिन
राष्ट्रीय महिला किसान दिवस


राष्ट्रीय महिला शेतकरी दिन
राष्ट्रीय महिला किसान दिवस


राष्ट्रीय महिला शेतकरी दिन
राष्ट्रीय महिला किसान दिवस


मेरा गाँव मेरा गौरव
My Village My Pride
ICAR-Central Institute of Fisheries Education
INTERNATIONAL YEAR OF THE WOMAN FARMER 2026
राष्ट्रीय महिला शेतकरी दिन
राष्ट्रीय महिला किसान दिवस
National Women Farmers' Day
15 अक्टूबर, 2026
आयोजक



National Women Farmers' Day Celebration at Versova village, Mumbai

ICAR-CIFE, Kolkata Centre

ICAR-CIFE Kolkata Centre organized the National Women Farmer's day celebration at Raypur village, Sonarpur Block, South 24 Parganas District, West Bengal, with the participation of 60 women farmers. Dr. T. K. Ghoshal, Head of the Centre, along with Dr. G. H. Pailan, Dr. Sujata Sahoo and Dr. Sweta Pradhan, interacted with the participants and highlighted the contribution of women to fisheries, aquaculture and household economic development. Particular emphasis was placed on the productive utilization of household ponds for the culture of Indian major carps and minor carps as a source of additional family income. The programme also covered integrated farming systems, ornamental fish breeding and culture, freshwater pearl farming and kitchen gardening. Technical discussions and practical demonstrations familiarized participants with diversified farming opportunities that could be adopted using locally available resources.

ICAR-CIFE, Rohtak Centre

National Women Farmers' Day was celebrated at ICAR-CIFE, Rohtak Centre with a participation of 12 women farmers. The programme commenced with a welcome address by Dr. Saloni Shivam, followed by remarks from Dr. M. A. Pathan (OIC), and the Sarpanch of Lahli Gram Panchayat. During the programme, various issues and challenges

faced by the women farmers were discussed and their views and concerns were noted. The participants were also sensitized about the importance of women's participation in agricultural and allied activities and their contribution to sustainable rural development. The programme provided a useful platform for interaction between the Centre and women farmers and for understanding the issues faced by them at the field level. The programme concluded with a vote of thanks proposed by Dr. Sreedharan.

ICAR-CIFE, Kakinada Centre

ICAR-CIFE, Kakinada Centre organized an awareness programme on the occasion of National Women Farmers' Day at Chollangi Peta, Kakinada District, Andhra Pradesh, with the participation of 20 women farmers by Dr. Karthireddy Syamala (OIC) and team Kakinada. The programme highlighted the important role of women in agricultural and allied activities and created awareness about various government schemes and institutional support available to women farmers. Discussions focused on accessing these schemes, utilizing available resources and exploring opportunities for supplementary income and livelihood improvement. The interactive session also provided an opportunity for participants to discuss their farming needs and understand the potential benefits of government-supported initiatives.

ICAR-CIFE, Powarkheda Centre

ICAR-CIFE Powarkheda Centre organized a field-based awareness and demonstration programme as a part of National Women Farmers' Day celebration at Retibunder village, Kesla Block, Narmadapuram District, Madhya Pradesh. The programme recorded 11 participants, including 8 women farmers, with representation from PRADAN, a non-governmental organization. The activities focused on promoting vegetable cultivation through practical demonstrations involving the sowing of tomato, radish, brinjal and spinach. Participants received field-level exposure to basic sowing practices and the productive utilization of available land for vegetable cultivation. The programme emphasized the importance of kitchen gardening in improving household nutritional security and providing opportunities for supplementary income.

Across the Headquarters and four centers, 190 women farmers participated in awareness, interaction and demonstration activities. The programmes highlighted opportunities for improving household livelihoods through fisheries, aquaculture, crop cultivation and access to relevant support schemes.

Glimpses of National Women Farmers' Day Celebration at various centres of ICAR-CIFE





ICAR-CIFE, Kolkata Centre




ICAR-CIFE, Rohtak Centre







ICAR-CIFE, Powarkheda Centre





ICAR-CIFE, Kakinada Centre